

AJ-1357
B.A. Private (Part-I)
Term End Examination, 2021-22
SANSKRIT LITERATURE (Paper-I)

Time : Three hours]

[Maximum Marks : 75

नोट— सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

इकाई-I

1. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये— 15
- (क) परिस्तु भवान् नृपापवदं न परुषमाभ्रमवासिषु प्रयोज्यम्
नरग परिभवान् विमोक्तुमेते वनममभिगस्य मनस्विनो वसन्ति ।।
- (ख) सविश्रमो दृययं भारः प्रसक्तस्य तु भ्रमः ।
तस्मिन् सर्वधीनं हि यत्राधीनो नराधिपः ।।
- (ग) अनेन परिहासेन व्यक्षिप्तं मे मनस्त्वया ।
ततो वाणी तथैवेयं पूर्वाम्यासेन निःसृता ।
- (घ) निष्क्रामन् सम्भ्रमेणाहं द्वारपक्षेण ताडितः ।
ततो व्यक्तं न जानामि भूतार्थोऽयं मनोरथः ।।

इकाई-II

2. पद्मावती की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिये— 15
- अथवा**
- स्वप्नवासव दत्तम् नाटक का कथा सार लिखिये ।

इकाई-III

3. (क) निर्देशानुसार किन्हीं चार शब्दों का रूप लिखिये— 10
- (i) रात — षष्ठी विभक्ति
(ii) मुनि — पंचमी विभक्ति
(iii) भानु — तृतीया विभक्ति
(iv) फल — द्वितीया विभक्ति
(v) सर्व — चतुर्थी विभक्ति
(vi) अस्मद् — तृतीया विभक्ति
- (ख) निर्देशानुसार किन्हीं तीन धातुओं के रूप लिखिये— 5
- (i) भू धातु — लोटलकार प्रथम पुरुष
(ii) पठ् धातु — लटलकार मध्यम पुरुष
(iii) कृ धातु — लङलकार उत्तम पुरुष
(iv) अस् धातु — विधिलिङलकार प्रथम पुरुष
(v) हस् धातु — लटलकार उत्तम पुरुष

इकाई-IV

4. (क) निर्देशानुसार उत्तर लिखिये— 8
- (i) प्रत्याहार विधायक सूत्र लिखिये ।

[P.T.O.]

(ii) किन्हीं तीन का सन्धि विच्छेद कीजिए व पूर्ण सन्धि का नाम लिखिये—

- (a) लाकारः (b) तथापि (c) हरये (d) कश्चित्
(e) गणेशः

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये—

7

- (i) कर्तुरीप्सिततमु कर्म। (ii) साधकतमु करणम्।
(iii) अपादाने पंचमी। (iv) शेषे षष्ठी

इकाई-V

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये—

8

- (i) गुरु को नमस्कार है।
(ii) राधा नाचती है।
(iii) नदी के चारों ओर वन हैं।
(iv) राम चट्टाई में बैठता है।
(v) बालक को फल अच्छे लगते हैं।
(vi) लक्ष्मी हरि की सेवा करती है।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत वाक्यों में से किन्हीं चार का हिन्दी में अनुवाद कीजिये—

7

- (i) कृष्णः ग्रामं गच्छति।
(ii) ग्रामं निकटा वनं अस्ति।
(iii) बामनः बलिं वसुधां याचते।
(iv) रामेण सह लक्ष्मणः गतः।
(v) स्वामी मृत्याय क्रुध्यति।
(vi) देवदत्तः स्थाल्यां ओदनं पचति।